वृक्ष उत्पादक मेला का आयोजन

*भा.वा.अ.शि.प.–पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा **"वृक्ष आधारित आजीविका विकास"** विषय पर एक दिवसीय **"वृक्ष उत्पादक मेला"** का आयोजन दिनांक 15.03.2024 को किया गया। मेले का शुभारम्भ गणमान्य अतिथियों तथा केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। स्वागत भाषण में केन्द्र प्रमुख डॉ. सिंह ने बताया कि केन्द्र द्वारा किसानों की आजीविका को बढ़ाने के लिए वृक्ष उत्पादन से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण एवं प्रसार कार्यक्रम कराए जाते हैं। मुख्य अतिथि डॉ. सत्य प्रकाश श्रीवास्तव, उपकृषि निदेशक, प्रयागराज ने उद्बोधन में कार्यक्रम की सराहना करते हुए वर्तमान समय में कृषिवानिकी को आजीविका बढ़ाने का प्रमुख साधन बताया। विशिष्ट अतिथि कर्नल सुशील गुहानी, 137 बटालियन (गंगा टास्क फोर्स) ने सम्बोधित करते हुए बताया कि गंगा टास्क फोर्स का मुख्य उद्देश्य गंगा डालफिन को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही पारिस्थितिकी चक को बनाए रखना है। प्रस्तावना सम्बोधन में कार्यक्रम समन्वयक आलोक यादव, वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा आयोजित मेला के मुख्य बिन्दुओं से अवगत कराया गया। कार्यक्रम सह–समन्वयक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। प्रथम तकनीकी सत्र में चन्दन आधारित खेती पर चर्चा करते हुए प्रगतिशील कृषक उत्कृष्ठ पाण्डेय ने उपयुक्त मिट्टी, उचित रख–रखाव तथा आवश्यक तत्वों से अवगत कराया। इसी कम में डॉ. आर. एन. राय, सेवानिवृत्त, भारतीय वन सेवा द्वारा यूकेलिप्टस तथा महोगनी आधारित कृषिवानिकी के अनुभव एवं सुझाव प्रस्तुत किया गया। बाँदा कृषि विश्वविद्यालय के डॉ. योगेश ने किसानों के लिए वानिकी की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। जैविक खाद उद्यमिता पर चर्चा करते हुए विनोवर शर्मा, पवनस जैविक उर्वरक उत्पादक, प्रयागराज ने जैविक खाद को कृषि और वानिकी दोनों के लिए महत्वपूर्ण बताया तथा कृषकों हेतु इसे उद्यम के रूप में अपनाने सम्बन्धी जानकारी दिया। बेगूसराय, बिहार के अमित कुमार सिंह ने फलदार वृक्षों की खेती की सम्भावनाओं पर विस्तृत चर्चा किया। वानिकी एवं पर्यावरण चेतना को बढ़ावा देने के लिए मनोरंजन कार्यक्रम के अंतर्गत वानिकी आधिरित जादू कार्यक्रम तथा क्षेत्रीय लोकगीत गायन की प्रस्तुति की गयी। द्वितीय तकनीकी सत्र में के. पी. पाण्डेय, हर्बल गार्डन स्थापक, प्रयागराज ने औषधीय पौधों की खेती पर चर्चा करते हुए इसकी आवश्यकता तथा महत्व पर प्रकाश डाला। उत्तर प्रदेश की कृषि वानिकी प्रजातियों यथा मीलिया डूबिया, अगर, महोगनी तथा पॉपलर पर चर्चा करते हुए कमशः डॉ. कुमुद दूबे, आलोक यादव, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव तथा डॉ. अनीता तोमर ने अपने–अपने विचार साझा किये। कार्यक्रम के समापन सत्र में कृषक वानिकी संवाद का आयोजन किया गया, जिसमें प्रगतिशील एवं लघु किसानों द्वारा कृषिवानिकी सम्बन्धित जानकारियां प्राप्त की गयीं तथा केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा उनकी शंकाओं का निवारण किया गया। केन्द्र द्वारा आयोजित वृक्ष उत्पादक मेला के अन्तर्गत प्रदेश के विभिन्न वानिकीविदों/उद्यमियों/सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थानों द्वारा कुल 15 प्रदर्शन स्टाल लगाए गए, जिसमें भा.वा.अ.शि.प.–पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज ने भी प्रतिभागिता की। प्रदर्शन स्टाल्स वानिकी सम्बन्धित विभिन्न उद्यम, वृक्षारोपण, पौधशाला तथा उत्पाद विपणन विधाओं का प्रतिनिधित्व करते हुए आजीविका विकास हेतु महत्वपूर्ण थे।*

प्रदर्शन स्टाल प्रतिभागी विवरण

01	सीमैप–लखनऊ,
02	कृषि विज्ञान केन्द्र–छाता, प्रयागराज,
03	मार्शलोना फार्म–प्रतापगढ़,
04	पवन्स जैविक उर्वरक एवं खाद यूनिट–प्रयागराज,
05	कृषि निदेशालय–प्रयागराज,
06	शुआट्स–नैनी, प्रयागराज,
07	बाँदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय–बाँदा,
08	प्रो. राजेन्द्र सिंह उर्फ रज्जू भइया विश्वविद्यालय–प्रयागराज,
09	अन्नपूर्णा एग्रोटेक–बेगूसराय, बिहार,
10	भा.वा.अ.शि.प.–पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज,
11	एम.एस.एम.ई., भारत सरकार,
12	नारायण हनी–प्रयागराज,
13	न्यूट्रीसिटिकल रिच ऑर्गेनिक इण्डिया प्रा. लि.,
14	हाईटेक नर्सरी–सहसों, प्रयागराज,
15	गंगा टास्क फोर्स (137CETF BN (TA) 39GR)

वानिकी प्रसार सम्बन्धित मोबाइल एप्स का अनावरण

पर्यावरण पुनरुद्धार के साथ प्रदेश के किसानों की आजीविका विकास हेतु भा.वा.अ.शि.प.– पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा चार मोबाइल एप्स ईको रिहैब्लिटेशन, बैम्बू ग्रो, लेसर नोन प्लान्ट्स तथा एग्रोफरिस्ट का जनावरण किया जाएगा।

1. ईको रिहैब्लिटेशन–भूमि सुधार हेतु क्षेत्र विशेष में उपयुक्त प्रजातियों के चयन, रोपण तथा रख–रखाव सम्बन्धित जानकारी संकलित की गयी है।
2. बैम्बू ग्रो–उत्तर प्रदेश तथा भारत में पायी जाने वाली महत्वपूर्ण बाँस प्रजातियों के विषय में नर्सरी प्रवर्धन एवं प्रबंधन सम्बन्धित सम्पूर्ण जानकारियों का संकलन ।
3. लेसर नोन प्लान्टस–उत्तर प्रदेश की विलुप्त होती प्रजातियों के रोपण एवं प्रसार सम्बन्धी जानकारियों का संकलन।
4. **एग्रोफॉरेस्ट**– उत्तर प्रदेश की विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रों में उपयुक्त कृ –षिवानिकी प्रजातियां यथा सागौन, बाँस, शीशम, महोगनी, गम्हार, पॉपलर, यूकेलिप्टस, सहजन, आम, मीलिया–डूबीया (बकैन), महुआ तथा आँवला आदि के रोपण, प्रबंधन, आर्थिकी एवं विक्रय सम्बन्धी जानकारियों का संकलन।

वृक्ष एवं पौध उत्पादन हेतु कृषक सम्मान

उत्तर प्रदेश में वृक्ष एवं पौध उत्पादन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु केन्द्र द्वारा चयनित पाँच कृषकों को **"तरुमित्र पुरस्कार"** से सम्मानित किया गया। सम्मानित किए गए किसानों में प्रयागराज से क्रमशः धनंजय सिंह–पॉपलर तथा यूकेलिप्टस पर आठ वर्षों का, के. पी. मिश्रा–वानिकी के क्षेत्र में सात वर्षों का, अरविन्द सिंह, के. पी. पाण्डेय–औषधीय पौधों पर छः वर्षों का तथा प्रतापगढ़ से उत्कृ ष्ठ पाण्डेय–चन्दन के वृक्षों पर आठ वर्षों का अनुभव को क्रमशः चन्दन, मीलिया, यूकेलिप्टस, गम्हार तथा पॉपलर आदि वृक्षो के रोपण हेतु सम्मानित किया जाएगा।

वृक्ष उत्पादक मेला
2024
वृक्ष आधारित आजीविका

वृक्ष उत्पादक मेला
2024
वृक्ष आधारित आजीविका विकास
दिनांक - 15 मार्च 2024

Sudhamla
प्रयागराज क
हमारी विशेषता
घूप में सुखाया अचार (20 दिन)
परिरक्षकों के बिना (without Preserv
केमिकल रहित (without Chemicals
शुद्ध सरसों तेल के साथ घर का बना
RAW

कृषि विज्ञान केन्द्र, छाता, प्रयागराज -II
प्रसार निदेशालय
गौ आधारित प्राकृतिक खेती
1. प्राकृतिक खेती का आधार : देशी गाय एवं बीज
2. स्तम्भ : जीवामृत, बीजामृत, आच्छादन एवं वापसा
जीवामृत
घनजीवामृत
बीजामृत
आच्छादन
वापसा
मोटे दाने वाले कदन्न अनाज
छोटे दाने वाले

Saving Energy
LiFE

137 CETF BN (TA) 39 GR
137 CETF BN (TA) - 39 GORKHA RIFLES
THAAN LO TO HAAR HAI
THAAN LO TO JEET HAI
VETIVER
HERBAL PLANT
CANNA
HUM JAHAN - VIJAY WAHAN
BIO FLOAT

!! किसान है अन्दाता !!
!! ये है देश के भाग्य विधाता !!
"किसान प्रशिक्षण एवं विचार गोष्ठी एवं प्रदर्शनी"
स्थान
ग्राम सभा
जिला

फ्लेमेंजिया सेमियालता पर लाख की खेती
आँवला की खेती - कृषकों हेतु वरदान
संकलन एवं सम्पादन
SOIL LOVES

Organic
STAY
HEALTHY
जस पोटाश

जी. सिंह डिग्री कॉलेज
कसेरूआ खुर्द, सहसों, प्रयागराज

BRIEF HISTORY

Millet A Nutrition

पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र की ओर से वृक्ष उत्पादक मेला का आयोजन, किसानों ने साझा किए अनुभव

छह वर्ष में यूकेलिप्टस से कमाए 28 लाख

- पांच किसानों को तरुण मित्र सम्मान से नवाजा
- विशेषज्ञों ने खेती के नए तरीकों की दी जानकारी

प्रयागराज, वरिष्ठ संवाददाता। उपजाऊ जमीन को दबंगों से बचाने के लिए एक छोटा सा प्रयोग मऊ के रहने वाले डॉ रवींद्र नाथ राय को लखपति बना गया। उन्होंने अपनी 6.5 एकड़ उपजाऊ जमीन पर यूकेलिप्टस की खेती की। छह वर्षों में उन्हें इससे 28 लाख रुपये की आमदनी हुई। अब वह यूकेलिप्टस के साथ तीन गुना अधिक आमदनी देने वाले अफ्रीकन महोगनी की खेती करेंगे। वन विभाग में अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त डॉ. रवींद्र के लिए पेड़ों की खेती जुनून बन गया है। उन्होंने भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के अधीन संचालित पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र की ओर से शुक्रवार को आयोजित एक दिवसीय वृक्ष उत्पादक मेला में अपने अनुभव साझा किए। वृक्ष आधारित आजीविका विकास पर आयोजित इस मेले में प्रदेश भर से करीब 500 किसान शामिल हुए। विशेषज्ञों ने उन्हें महोगनी, पॉपलर, चंदन, मीलिया डूबिया की उपयोगिता, खेती करने का तरीका और इससे होने वाली लाखों की आमदनी के बारे में जानकारी दी।

पांच किसानों को तरुणमित्र पुरस्कार : इस क्रम में वृक्ष एवं पौध उत्पादन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पांच किसानों को पहली बार तरुमित्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पॉपलर तथा यूकेलिप्टस की आठ वर्षों से खेती करने वाले प्रयागराज के धनंजय सिंह, वानिकी के क्षेत्र में पांच वर्षों का अनुभव रखने वाले केपी मिश्र, औषधीय पौधों की खेती में छह वर्षों का अनुभव रखने वाले केपी पांडेय, चंदन, मीलिया डूबिया, यूकेलिप्टस, गम्हार आदि की खेती का आठ वर्षों का अनुभव रखने वाले प्रतापगढ़ के उत्कृष्ठ पांडेय और अरविंद सिंह को सम्मान मिला। समन्वयक आलोक यादव ने मेले के उद्देश्य आदि की जानकारी दी। उप कृषि निदेशक सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, कर्नल सुशील गुहानी और केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

चंदन की खेती पर हुई चर्चा : प्रथम तकनीकी सत्र में चन्दन की खेती पर चर्चा की गई। बांदा कृषि विश्वविद्यालय के डॉ. योगेश ने किसानों को वानिकी, विनोवर शर्मा ने जैविक खाद उद्यमिता, बिहार के अमित कुमार सिंह ने फलदार वृक्षों की खेती और संभावनाओं पर जानकारी दी।

वानिकी आधारित जादू का कौशल रवीन्द्र केसरवानी ने दिखाया। साथ ही मुनीम चन्द्र मस्ताना और कलाकारों ने लोकगीत एवं बिरहा की प्रस्तुति दी। द्वितीय तकनीकी सत्र में हर्बल गार्डन संस्थापक केपी पांडेय ने औषधीय पौधों की आवश्यकता पर जोर दिया। डॉ. कुमुद दूबे, आलोक यादव, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव एवं डॉ. अनीता तोमर ने अलग-अलग प्रजाति के वृक्षों की जानकारी दी। इस अवसर पर 15 प्रदर्शन स्टाल भी लगाए गए। जिसमें सीमैप के साथ दूसरे सरकारी और गैर सरकारी संस्थान शामिल हुए।

पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र में आयोजित वृक्ष उत्पादक मेले में बोलते उपकृषि निदेशक एसपी श्रीवास्तव । ● हिन्दुस्तान

वानिकी के प्रसार के लिए चार नए एप लांच

वृक्ष उत्पादक मेला में वानिकी के प्रसार के लिए तैयार किए गए चार मोबाइल एप भी लांच किए गए। इन एप के जरिए किसानों को किसी क्षेत्र की मिट्टी की गुणवत्ता, वहां कौन सा पौधा उगाया जाना चाहिए आदि की जानकारी के साथ ही पौधों की सिंचाई, खाद-पानी आदि के बारे में भी विस्तार से जानकारी मिलेगी।

"वृक्ष आधारित आजीविका विकास" विषय पर वृक्ष उत्पादक मेला आयोजित

उर्ध्व नेत्र

प्रयागराज। भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज की ओर से शुक्रवार को "वृक्ष आधारित आजीविका विकास" विषय पर एक दिवसीय वृक्ष उत्पादक मेला का आयोजन किया गया। दिनांक 15.03.2024 को किया गया। अपने सम्बोधन में कार्यक्रम समन्वयक आलोक यादव, वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा आयोजित मेला के मुख्य बिन्दुओं से अवगत कराया। मेले का शुभारम्भ सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, उपकृषि निदेशक, कर्नल सुशील गुहानी, गंगा टास्क फोर्स, तथा केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह दीप प्रज्वलन के साथ किया। स्वागत भाषण में केन्द्र प्रमुख डॉ. सिंह ने बताया कि केन्द्र द्वारा किसानों की आजीविका को बढ़ाने के लिए वृक्ष उत्पादन से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण एवं प्रसार कार्यक्रम कराए जाते हैं। मुख्य अतिथि डॉ. सत्य प्रकाश श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कार्यक्रम कि सराहना करते हुए वर्तमान समय में कृषिवानिकी को आजीविका बढ़ाने का प्रमुख साधन बताया। विशिष्ट अतिथि कर्नल सुशील गुहानी ने अपने उद्बोधन में बताया कि गंगा टास्क फोर्स का मुख्य उद्देश्य गंगा में डालफिन को सुरक्षा प्रदान करना तथा परिस्थितकी चक्र को बनाए रखना है। कार्यक्रम सह समन्वयक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रथम तकनीकी सत्र में चन्दन आधारित खेतों पर चर्चा करते हुए प्रगतिशील कृषक उत्कृष्ट पाण्डेय ने उपयुक्त मिट्टी, उचित रख-रखाव, तथा आवश्यक तत्वों से अवगत कराया। इसी क्रम में आर. एन. राय, सेवानिवृत्त भारतीय वन सेवा द्वारा कृषिवानिकी के अनुभव एवं सुझाव प्रस्तुत किया गया। बाँदा कृषि विश्वविद्यालय के डॉ. योगेश ने किसानों के लिए वानिकी की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। जैविक खाद उद्यमिता पर चर्चा करते हुए विनोवर शर्मा, पवनस जैविक

उर्वरक उत्पादक, प्रयागराज ने जैविक खाद को कृषि और वानिकी दोनों के लिए महत्वपूर्ण बताया। बेगूसराय, बिहार के अमित कुमार सिंह ने फलदार वृक्षों की खेती की सम्भावनाओं पर विस्तृत चर्चा किया। वानिकी एवं पर्यावरण चेतना को बढ़ावा देने के लिए मनोरंजन कार्यक्रम के अंतर्गत वानिकी आधारित जादू का कौशल रवीन्द केसरवानी द्वारा तथा मुनीम चन्द 'मस्ताना' द्वारा लोकगीत- विरहा का प्रदर्शन किया गया। द्वितीय तकनीकी सत्र में हर्बल गार्डन स्थापक, प्रयागराज के. पी. पाण्डेय ने औषधीय पौधों की खेती पर चर्चा करते हुए इसकी आवश्यकता तथा महत्व पर प्रकाश डाला। उत्तर प्रदेश की कृषि वानिकी प्रजातियों यथा मीलिया डूबिया, अगर, महोगनी तथा पॉपलर पर चर्चा करते हुए क्रमशः डॉ. कुमुद दूबे, आलोक यादव, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव तथा डॉ. अनीता तोमर ने अपने-अपने विचार साझा किये। इसी क्रम में कृषकों के अनुभव पर अरविन्द सिंह द्वारा कुछ विचार साझा किए गए। कार्यक्रम के समापन सत्र में कृषक वानिकी संवाद का आयोजन किया गया, जिसमें प्रगतिशील एवं लघु किसानों द्वारा कृषि वानिकी सम्बंधित जानकारियां प्राप्त की गयी तथा केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा उनकी शंकाओं का निवारण किया गया। केन्द्र द्वारा आयोजित वृक्ष उत्पादक मेला के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न वानिकीविदों/उद्यमियों/सरकारी संस्थानों तथा गैर सरकारी संस्थानों द्वारा कुल 15 प्रदर्शन स्टाल सौमैप, लखनऊ, कृषि विज्ञान केन्द्र, छाता, प्रयागराज, मार्शलोगा फार्म, प्रतापगढ़, पवन्स जैविक उर्वरक एवं खाद यूनिट, प्रयागराज, कृषि निदेशालय, प्रयागराज, शुआट्स, नैनी, प्रयागराज, बाँदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बाँदा, प्रो. राजेन्द्र सिंह रज्जू भईया विश्वविद्यालय, प्रयागराज, अन्नपूर्णा एग्रोटेक, बेगूसराय, बिहार, भा.वा.अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज, एमएसएमई, भारत सरकार, नारायण हनी, प्रयागराज, न्यूट्रासिटिकल रिच ऑर्गेनिक इण्डिया प्रा.लि., हाईटेक नर्सरी, सहसों, प्रयागराज, 137CETF BN (TA) 39GR के द्वारा लगाए गए। प्रदर्शन स्टाल्स वानिकी सम्बन्धित विभिन्न उद्यम, वृक्षारोपण, पौधशाला तथा उत्पाद विपणन विधाओं का प्रतिनिधित्व करते हुए आजीविका विकास हेतु महत्वपूर्ण थे।

वृक्ष एवं पौध उत्पादन हेतु सम्मान

उत्तर प्रदेश में वृक्ष एवं पौध उत्पादन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु केन्द्र द्वारा चयनित पौध कृषकों को "तरुमित्र पुरस्कार" से सम्मानित किया गया। सम्मानित किए गए किसानों में प्रयागराज से क्रमशः धनंजय सिंह- पॉपलर तथा यूकेलिप्टस पर आठ वर्षों का, के. पी. मिश्रा-वानिकी के क्षेत्र में सात वर्षों का, अरविन्द सिंह, के. पी. पाण्डेय-औषधीय पौधों पर छः वर्षों का तथा प्रतापगढ़ से उत्कृष्ट पाण्डेय-चन्दन के वृक्षों पर आठ वर्षों का अनुभव को क्रमशः चन्दन, मीलिया, यूकेलिप्टस, गन्हार तथा पॉपलर आदि वृक्षों के रोपण हेतु सम्मानित किया जाएगा।

वृक्ष उत्पादक मेले में जुटे प्रदेशभर के किसान

प्रयागराज, वरिष्ठ संवाददाता। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के अधीन संचालित पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र की ओर से शुक्रवार को आयोजित एक दिवसीय वृक्ष उत्पादक मेला में प्रदेश भर से करीब 500 किसान शामिल हुए। विशेषज्ञों ने उन्हें महोगनी, पॉपलर, चंदन, मीलिया डूबिया की उपयोगिता, खेती करने का तरीका और इससे होने वाली लाखों की आमदनी के बारे में जानकारी दी। इस क्रम में वृक्ष एवं पौध उत्पादन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पांच किसानों को पहली बार तरुमित्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया। समन्वयक आलोक यादव ने मेले के उद्देश्य आदि की जानकारी दी। उप कृषि निदेशक सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, कर्नल सुशील गुहानी और केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

वृक्ष उत्पादक मेला का आयोजन

प्रयागराज। भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा ङ'वृक्ष आधारित आजीविका विकास'ङ विषय पर एक दिवसीय 'वृक्ष उत्पादक मेला'ङ का आयोजन दिनांक 15.03.2024 को किया गया।

प्रस्तावना सम्बोधन में कार्यक्रम समन्वयक आलोक यादव, वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा आयोजित मेला के मुख्य बिन्दुओं से अवगत कराया गया। मेले का शुभारम्भ गणमान्य अतिथियों, सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, उपकृषि निदेशक, प्रयागराज के के साथ कर्नल सुशील गुहानी, गंगा टास्क फ़ोर्स, प्रयागराज तथा केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। स्वागत भाषण में केन्द्र प्रमुख डॉ. सिंह ने बताया कि केन्द्र द्वारा किसानों की आजीविका को बढ़ाने के लिए वृक्ष उत्पादन से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण एवं प्रसार कार्यकम कराए जाते हैं। मुख्य अतिथि डॉ. सत्य प्रकाश श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कार्यक्रम कि सराहना करते हुए वर्तमान समय में कृषिवानिकी को आजीविका बढ़ाने का प्रमुख साधन बताया। विशिष्ट अतिथि कर्नल सुशील गुहानी ने अपने उद्बोधन में बताया कि गंगा टास्क फ़ोर्स का मुख्य उद्देश्य गंगा में डालफिन को सुरक्षा प्रदान करना तथा परिस्थितकी चक्र को बनाए रखना है। कार्यक्रम सह समन्वयक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रथम तकनीकी सत्र में चन्दन आधारित खेती पर चर्चा करते हुए प्रगतिशील कृषक उत्कृष्ट पाण्डेय ने उपयुक्त मिट्टी, उचित रख-रखाव, तथा आवश्यक तत्वों से अवगत कराया। इसी क्रम में आर. एन. राय, सेवानिवृत्त भारतीय वन सेवा द्वारा कृषिवानिकी के अनुभव एवं सुझाव प्रस्तुत किया गया। बाँदा कृषि विश्वविद्यालय के डॉ. योगेश ने किसानों के लिए वानिकी की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। जैविक खाद उद्यमिता पर चर्चा करते हुए विनोवर शर्मा, पवनस जैविक उर्वरक उत्पादक, प्रयागराज ने जैविक खाद को कृषि और वानिकी दोनों के लिए महत्वपूर्ण बताया। बेगूसराय, बिहार के अमित कुमार सिंह ने फलदार वृक्षों की खेती की सम्भावनाओं पर विस्तृत चर्चा किया। वानिकी एवं पर्यावरण चेतना को बढ़ावा देने के लिए मनोरंजन कार्यक्रम के अंतर्गत वानिकी आधारित जादू का कौशल रवीन्द्र केसरवानी द्वारा तथा मुनीम चन्द्र 'मस्ताना' द्वारा लोकगीत- बिरहा का प्रदर्शन किया गया। द्वितीय तकनीकी सत्र में हर्बल गार्डन स्थापक, प्रयागराज के. पी. पाण्डेय ने औषधीय पौधों की खेती पर चर्चा करते हुए इसकी आवश्यकता तथा महत्व पर प्रकाश डाला। उत्तर प्रदेश की कृषि वानिकी प्रजातियों यथा मीलिया डूबिया, अगर, महोगनी तथा पॉपलर पर चर्चा करते हुए क्रमशः डॉ. कुमुद दूबे, आलोक यादव, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव तथा डॉ. अनीता तोमर ने अपने-अपने विचार साझा किये। इसी क्रम में कृषकों के अनुभव पर अरविन्द सिंह द्वारा कुछ विचार साझा किए गए। कार्यक्रम के समापन सत्र में कृषक वानिकी संवाद का आयोजन किया गया, जिसमें प्रगतिशील एवं लघु किसानों द्वारा कृषि वानिकी सम्बंधित जानकारियां प्राप्त की गयी तथा केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा उनकी शंकाओं का निवारण किया गया।केन्द्र द्वारा आयोजित वृक्ष उत्पादक मेला के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न वानिकीविदों/उद्यमियों/सरकारी संस्थानों तथा गैर सरकारी संस्थानों द्वारा कुल 15 प्रदर्शन स्टाल सीमैप, लखनऊ,

कृषि विज्ञान केन्द्र, छाता, प्रयागराज, मार्शलोना फार्म, प्रतापगढ़, पवन्स जैविक उर्वरक एवं खाद यूनिट, प्रयागराज, कृषि निदेशालय, प्रयागराज, शुआट्स, नैनी, प्रयागराज, बाँदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बाँदा, प्रो. राजेन्द्र सिंह रज्जू भईया विश्वविद्यालय, प्रयागराज, अन्नपूर्णा एग्रोटेक, बेगूसराय, बिहार, भा.वा.अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज, एमएसएमई, भारत सरकार, नारायण हनी, प्रयागराज, न्यूट्रसिटिकल रिच ऑर्गेनिक इण्डिया प्रा.लि., हाईटेक नर्सरी, सहसों, प्रयागराज, 137ण्ऊिइँ=(ऊँ) 39उिं के द्वारा लगाए गए। प्रदर्शन स्टाल्स वानिकी सम्बन्धित विभिन्न उद्यम, वृक्षारोपण, पौधशाला तथा उत्पाद विपणन विधाओं का प्रतिनिधित्व करते हुए आजीविका विकास हेतु महत्वपूर्ण थे।

उत्तर प्रदेश में वृक्ष एवं पौध उत्पादन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु केन्द्र द्वारा चयनित पाँच कृषकों को ङ'तरुमित्र पुरस्कार'ङ से सम्मानित किया गया। सम्मानित किए गए किसानों में प्रयागराज से क्रमशः धनंजय सिंह-पॉपलर तथा यूकेलिप्टस पर आठ वर्षों का, के. पी. मिश्रा-वानिकी के क्षेत्र में सात वर्षों का, अरविन्द सिंह, के. पी. पाण्डेय-औषधीय पौधों पर छः वर्षों का तथा प्रतापगढ़ से उत्कृष्ठ पाण्डेय-चन्दन के वृक्षों पर आठ वर्षों का अनुभव को क्रमशः चन्दन, मीलिया, यूकेलिप्टस, गम्हार तथा पॉपलर आदि वृक्षो के रोपण हेतु सम्मानित किया जाएगा।

ट्रक के धक्के में तीन की मौत एक घायल

मिर्जापुर। ड्रामलगंज बड़का घुमाव के पास ट्रक ने पीछे से बोलेरो और मोटरसाइकिल में टक्कर मार दिया जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई एक घायल का उपचार जिला अस्पताल में किया जा रहा है घटना के संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन ने बताया कि

सचना

हिन्दी दैनिक कौशाम्बी टाइम्स KAUSHAMBI TIMES | प्रयागराज, शनिवार, 16 मार्च, 2024

वृक्ष उत्पादक मेला का आयोजन : वानिकी प्रसार सम्बन्धित मोबाइल एप्स का अनावरण

कार्यालय संवाददाता

प्रयागराज। भा.वा.अ.शि.प.- पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा ङ'वृक्ष आधारित आजीविका विकास'ङ विषय पर एक दिवसीय ङ'वृक्ष उत्पादक मेला'ङ का आयोजन किया गया।प्रस्तावना सम्बोधन में कार्यक्रम समन्वयक आलोक यादव, वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा आयोजित मेला के मुख्य बिन्दुओं से अवगत कराया गया।

मेले का शुभारम्भ गणमान्य अतिथियों, सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, उपकृषि निदेशक, प्रयागराज के साथ कर्नल सुशील गुहानी, गंगा टास्क फोर्स, प्रयागराज तथा केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। स्वागत भाषण में केन्द्र प्रमुख डॉ. सिंह ने बताया कि केन्द्र द्वारा किसानों की आजीविका को बढ़ाने के लिए वृक्ष उत्पादन से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण एवं प्रसार कार्यकम कराए जाते हैं। मुख्य अतिथि डॉ. सत्य प्रकाश श्रीवास्तव ने अपने उद्धबोधन में कार्यक्रम कि सराहना करते हुए वर्तमान समय में कृषिवानिकी को आजीविका बढ़ाने का प्रमुख साधन बताया। विशिष्ट अतिथि कर्नल सुशील गुहानी ने अपने उद्धबोधन में बताया कि गंगा टास्क फोर्स का मुख्य उद्देश्य गंगा में डालफिन को सुरक्षा प्रदान करना तथा परिस्थितकी चक्र को बनाए रखना है। कार्यक्रम सह समन्वयक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, वरिष्ठ

वैज्ञानिक द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रथम तकनीकी सत्र में चन्दन आधारित खेती पर चर्चा करते हुए प्रगतिशील कृषक उत्कृष्ठ पाण्डेय ने उपयुक्त मिट्टी, उचित रख-रखाव, तथा आवश्यक तत्वों से अवगत कराया। इसी क्रम में आर. एन. राय, सेवानिवृत्त भारतीय वन सेवा द्वारा कृषिवानिकी के अनुभव एवं सुझाव प्रस्तुत किया गया। बाँदा कृषि विश्वविद्यालय के डॉ. योगेश ने किसानों के लिए वानिकी की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। जैविक खाद उद्यमिता पर चर्चा करते हुए विनोवर शर्मा, पवनस जैविक उर्वरक उत्पादक, प्रयागराज ने जैविक खाद को कृषि और वानिकी दोनों के लिए महत्वपूर्ण बताया। बेगूसराय, बिहार के अमित कुमार सिंह ने फलदार वृक्षों की खेती की सम्भावनाओं पर विस्तृत चर्चा किया। वानिकी एवं पर्यावरण चेतना को बढ़ावा देने के लिए मनोरंजन कार्यक्रम के अंतर्गत वानिकी आधारित जादू का कौशल रवीन्द्र केसरवानी द्वारा तथा मुनीम चन्द्र 'मस्ताना' द्वारा लोकगीत- बिरहा का प्रदर्शन किया गया। द्वितीय तकनीकी सत्र में हर्बल गार्डन स्थापक, प्रयागराज के. पी. पाण्डेय ने औषधीय पौधों की खेती पर चर्चा करते हुए इसकी आवश्यकता तथा महत्व पर प्रकाश डाला। उत्तर प्रदेश की कृषि वानिकी प्रजातियों यथा मीलिया डूबिया, अगर, महोगनी तथा पॉपलर पर चर्चा करते हुए क्रमशः डॉ. कुमुद दूबे, आलोक यादव, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव तथा डॉ. अनीता तोमर ने अपने-अपने विचार साझा किये। इसी क्रम में कृषकों के अनुभव पर अरविन्द सिंह द्वारा कुछ विचार साझा किए गए। कार्यक्रम के समापन सत्र में कृषक वानिकी संवाद का आयोजन किया गया, जिसमें प्रगतिशील एवं लघु किसानों द्वारा कृषि वानिकी सम्बंधित जानकारियां प्राप्त की गयी तथा केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा उनकी शंकाओं का निवारण किया गया।केन्द्र द्वारा आयोजित वृक्ष उत्पादक मेला के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न वानिकीविदों/उद्यमियों/सरकारी संस्थानों तथा गैर सरकारी संस्थानों द्वारा कुल 15 प्रदर्शन स्टाल सीमैप, लखनऊ, कृषि विज्ञान केन्द्र, छाता, प्रयागराज, मार्शलोना फार्म, प्रतापगढ़, पवन्स जैविक उर्वरक एवं खाद यूनिट, प्रयागराज, कृषि निदेशालय, प्रयागराज, शुआट्स, नैनी, प्रयागराज, बाँदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बाँदा, प्रो. राजेन्द्र सिंह रज्जू भईया विश्वविद्यालय, प्रयागराज, अन्नपूर्णा एग्रोटेक, बेगूसराय, बिहार, भा.वा.अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज, एमएसएमई, भारत सरकार, नारायण हनी, प्रयागराज, न्यूट्रसिटिकल रिच ऑर्गेनिक इण्डिया प्रा.लि., हाईटेक नर्सरी, सहसों, प्रयागराज, 137ण्ॅउइ्ँ=(ॐ) 39उें के द्वारा लगाए गए। प्रदर्शन स्टाल्स वानिकी सम्बन्धित विभिन्न उद्यम, वृक्षारोपण, पौधशाला तथा उत्पाद विपणन विधाओं का प्रतिनिधित्व करते हुए आजीविका विकास हेतु महत्वपूर्ण थे।

उत्तर प्रदेश में वृक्ष एवं पौध उत्पादन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु केन्द्र द्वारा चयनित पाँच कृषकों को ङ'तरुमित्र पुरस्कार''ङ से सम्मानित किया गया। सम्मानित किए गए किसानों में प्रयागराज से क्रमशः धनंजय सिंह-पॉपलर तथा यूकेलिप्टस पर आठ वर्षों का, के. पी. मिश्रा-वानिकी के क्षेत्र में सात वर्षों का, अरविन्द सिंह, के. पी. पाण्डेय-औषधीय पौधों पर छः वर्षों का तथा प्रतापगढ़ से उत्कृष्ठ पाण्डेय-चन्दन के वृक्षों पर आठ वर्षों का अनुभव को क्रमशः चन्दन, मीलिया, यूकेलिप्टस, गम्हार तथा पॉपलर आदि वृक्षों के रोपण हेतु सम्मानित किया जाएगा।पर्यावरण पुनरुद्धार के साथ प्रदेश के किसानों की आजीविका विकास हेतु भा.वा.अ.शि.प.- पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा चार मोबाइल एप्स ईको रिहैबिलिटेशन, बैम्बू ग्रो, लेसर नोन प्लान्ट्स तथा एग्रोफरिस्ट का अनावरण किया जाएगा। ईको रिहैबिलिटेशन-ङ भूमि सुधार हेतु क्षेत्र विशेष में उपयुक्त प्रजातियों के चयन, रोपण तथा रख-रखाव सम्बन्धित जानकारी संकलित की गयी है।बैम्बू ग्रो-ङ उत्तर प्रदेश तथा भारत में पायी जाने वाली महत्वपूर्ण बाँस प्रजातियों के विषय में नर्सरी प्रवर्धन एवं प्रबंधन सम्बन्धित सम्पूर्ण जानकारियों का संकलन । लेसर नोन प्लान्टस-ङ उत्तर प्रदेश की विलुप्त होती प्रजातियों के रोपण एवं प्रसार सम्बन्धी जानकारियों का संकलन।एग्रोफॉरेस्ट-ङ उत्तर प्रदेश की विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रों में उपयुक्त कृषिवानिकी प्रजातियां यथा सागौन, बाँस, शीशम, महोगनी, गम्हार, पॉपलर, यूकेलिप्टस, सहजन, आम, मीलिया-डूबीया (बकैन), महुआ तथा आँवला आदि के रोपण, प्रबंधन, आर्थिकी एवं विक्रय सम्बन्धी जानकारियों का संकलन।

हिन्दी दैनिक संगम शपथ | प्रयागराज

वृक्ष उत्पादक मेला का आयोजन : वानिकी प्रसार सम्बन्धित मोबाइल एप्स का अनावरण

संगम शपथ संवाददाता

प्रयागराज। भा.वा.अ.शि.प.- पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा ङ'वृक्ष आधारित आजीविका विकास'ङ विषय पर एक दिवसीय ङ'वृक्ष उत्पादक मेला'ङ का आयोजन किया गया।प्रस्तावना सम्बोधन में कार्यक्रम समन्वयक आलोक यादव, वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा आयोजित मेला के मुख्य बिन्दुओं से अवगत कराया गया।

मेले का शुभारम्भ गणमान्य अतिथियों, सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, उपकृषि निदेशक, प्रयागराज के साथ कर्नल सुशील गुहानी, गंगा टास्क फ़ोर्स, प्रयागराज तथा केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। स्वागत भाषण में केन्द्र प्रमुख डॉ. सिंह ने बताया कि केन्द्र द्वारा किसानों की आजीविका को बढ़ाने के लिए वृक्ष उत्पादन से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण एवं प्रसार कार्यकम कराए जाते हैं। मुख्य अतिथि डॉ. सत्य प्रकाश श्रीवास्तव ने अपने उद्धबोधन में कार्यक्रम कि सराहना करते हुए वर्तमान समय में कृषिवानिकी को आजीविका बढ़ाने का प्रमुख साधन बताया। विशिष्ट अतिथि कर्नल सुशील गुहानी ने अपने उद्धबोधन में बताया कि गंगा टास्क फ़ोर्स का मुख्य उद्देश्य गंगा में डालफिन को सुरक्षा प्रदान करना तथा परिस्थितकी चक्र को बनाए रखना है। कार्यक्रम सह समन्वयक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रथम तकनीकी सत्र में चन्दन आधारित खेती पर चर्चा करते हुए प्रगतिशील कृषक उत्कृष्ठ पाण्डेय ने उपयुक्त मिट्टी, उचित रख-रखाव, तथा आवश्यक तत्वों से अवगत कराया। इसी क्रम में आर. एन. राय, सेवानिवृत्त भारतीय वन सेवा द्वारा कृषिवानिकी के अनुभव एवं सुझाव प्रस्तुत किया गया। बाँदा कृषि विश्वविद्यालय के

डॉ. योगेश ने किसानों के लिए वानिकी की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। जैविक खाद उद्यमिता पर चर्चा करते हुए विनोवर शर्मा, पवनस जैविक उर्वरक उत्पादक, प्रयागराज ने जैविक खाद को कृषि और वानिकी दोनों के लिए महत्वपूर्ण बताया। बेगूसराय, बिहार के अमित कुमार सिंह ने फलदार वृक्षों की खेती की सम्भावनाओं पर विस्तृत चर्चा किया। वानिकी एवं पर्यावरण चेतना को बढ़ावा देने के लिए मनोरंजन कार्यक्रम के अंतर्गत वानिकी आधारित जादू का कौशल रवीन्द्र केसरवानी द्वारा तथा मुनीम चन्द्र 'मस्ताना' द्वारा लोकगीत- बिरहा का प्रदर्शन किया गया। द्वितीय तकनीकी सत्र में हर्बल गार्डन स्थापक, प्रयागराज के. पी. पाण्डेय ने औषधीय पौधों की खेती पर चर्चा करते हुए इसकी आवश्यकता तथा महत्व पर प्रकाश डाला। उत्तर प्रदेश की कृषि वानिकी प्रजातियों यथा मीलिया डूबिया, अगर, महोगनी तथा पॉपलर पर चर्चा करते हुए क्रमशः डॉ. कुमुद दूबे, आलोक यादव, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव तथा डॉ. अनीता तोमर ने अपने-अपने विचार साझा किये। इसी क्रम में कृषकों के अनुभव पर अरविन्द सिंह द्वारा कुछ विचार साझा किए गए। कार्यक्रम के समापन सत्र में कृषक वानिकी संवाद का आयोजन किया गया, जिसमें प्रगतिशील एवं लघु किसानों द्वारा कृषि वानिकी सम्बंधित जानकारियां प्राप्त की गयी तथा केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा उनकी शंकाओं का निवारण किया गया।केन्द्र द्वारा आयोजित वृक्ष उत्पादक मेला के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न वानिकीविदों/उद्यमियों/सरकारी संस्थानों तथा गैर सरकारी संस्थानों द्वारा कुल 15 प्रदर्शन स्टाल सीमैप, लखनऊ, कृषि विज्ञान केन्द्र, छाता, प्रयागराज, मार्शलोना फार्म, प्रतापगढ़, पवन्स जैविक उर्वरक एवं खाद यूनिट, प्रयागराज, कृषि निदेशालय, प्रयागराज, शुआट्स, नैनी, प्रयागराज, बाँदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बाँदा, प्रो. राजेन्द्र सिंह रज्जू भईया विश्वविद्यालय, प्रयागराज, अन्नपूर्णा एग्रोटेक, बेगूसराय, बिहार, भा.वा.अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज, एमएसएमई, भारत सरकार, नारायण हनी, प्रयागराज, न्यूट्रसिटिकल रिच ऑर्गेनिक इण्डिया प्रा.लि., हाईटेक नर्सरी, सहसों, प्रयागराज, 137ण्ॅउइ्ँ=(ॐ) 39उें के द्वारा लगाए गए। प्रदर्शन स्टाल्स वानिकी सम्बन्धित विभिन्न उद्यम, वृक्षारोपण, पौधशाला तथा उत्पाद विपणन विधाओं का प्रतिनिधित्व करते हुए आजीविका विकास हेतु महत्वपूर्ण थे।

प्रो.राजेन्द्र सिंह रज्जू भय्या विश्वविद्यालय में वृक्ष उत्पादक मेला का आयोजन

विशेष संवाददाता

संयम भारत प्रयागराज।प्रो.राजेंद्र सिंह रज्जू भय्या विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.अखिलेश कुमार सिंह, कुलसचिव संजय कुमार, कृषि संकाय समन्वयक प्रो.राजकुमार गुप्त के कुशल संरक्षण में, कुलानुशासक डॉ.अविनाश कुमार श्रीवास्तव एवं डॉ.संजय सिंह वरिष्ठ-वैज्ञानिक ' डायरेक्टर, कार्यक्रम समन्वयक आलोक यादव वैज्ञानिक,भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद-पारिस्थितिक केंद्र आईसीएफआरई-ईआरसी प्रयागराज पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के नेतृत्व, मार्गदर्शन,प्रेरणा से 15.03.2024 को आयोजित वृक्ष उत्पादक मेला-2024 में स्टॉल लगाया गया ! स्टॉल में शिक्षक,विद्यार्थिन्यों एवं वि.वि.से जुड़े पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण कृषि एवं किसान मंत्रालय,भारत सरकार से पंजीकृत देशी किस्मों की खेती करने वाले प्रगतिशील किसानों ने प्रतिभाग किया ! कार्यक्रम में डॉ.अनिता तोमर, डॉ. कुमुद दुबे,डॉ.अनुभा श्रीवास्तव वैज्ञानिक,अंकुर श्रीवास्तव शोध सहायक,आईसीएफआरई-ईआरसी, प्रयागराज एवं रज्जू भय्या वि. वि.से विद्यार्थी,शिक्षकगण में डॉ.अनुज कुमार मिश्र,डॉ.तरुण कुमार,डॉ.एस.एन.मिश्र एवं जीवन ज्योति शिक्षा समिति रमईपुर,कृषक संस्था के प्रबंधक उमेश कुमार सिंह एवं अनुज कुमार सिंह के साथ 20 किसानों के समूह साथ उपस्थित रहे !

Organization of Tree Growers Fair in Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhayya) Univ

SPECIAL CORRESPONDENT

Prayagraj, Sanyam Bharat: Vice Chancellor of Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhayya) University Prof. Akhilesh Kumar Singh, Registrar Sanjay Kumar, Agriculture Faculty Coordinator Prof. Rajkumar Gupta Under the able tutelage of Vice Chancellor Dr. Avinash Kumar Srivastava and Dr. Sanjay Singh Senior-Scientist and Director, Program Coordinator Alok Yadav Scientist, Indian Council of Forestry Research and Education-Ecological Center (ICFRE-ERC) Prayagraj Tree Growers Fair-2024 organized on 15.03.2024 under the leadership, guidance and inspiration of Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Government of India. Stall was set up in! Teachers, students and progressive farmers cultivating indigenous varieties registered with the Plant Varieties and Farmers' Rights Protection Authority, Ministry of Agriculture and Farmers, Government of India, associated with the University participated in the stall. In the program, Dr. Anita Tomar, Dr. Kumud Dubey, Dr. Anubha Srivastava Scientist, Ankur Srivastava Research Assistant, (ICFRE-ERC), Prayagraj and students from Rajju Bhayya University, teachers included Dr. Anuj Kumar Mishra, Dr. Tarun Kumar, Dr. S.N. Mishra and Jeevan Jyoti Shiksha Samiti, Maipur, along with manager of Farmers Organization Umesh Kumar Singh and Anuj Kumar Singh, along with a group of 20 farmers were present.

वृक्ष आधारित आजीविका विकास' विषय पर 'वृक्ष उत्पादक मेला'का आयोजन संपन्न

कार्यालय संवाददाता

प्रयागराज (सहज शक्ति)। भा.वा.अ.शि.प.- पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा 'वृक्ष आधारित आजीविका विकास' विषय पर एक दिवसीय 'वृक्ष उत्पादक मेला'का आयोजन 15 मार्च को किया गया।प्रस्तावना सम्बोधन में कार्यक्रम समन्वयक आलोक यादव, वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा आयोजित मेला के मुख्य बिन्दुओं से अवगत कराया गया। मेले का शुभारम्भ गणमान्य अतिथियों, सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, उपकृषि निदेशक, प्रयागराज के के साथ कर्नल सुशील गुहानी, गंगा टास्क फोर्स, प्रयागराज तथा केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। स्वागत भाषण में केन्द्र प्रमुख डॉ. सिंह ने बताया कि केन्द्र द्वारा किसानों की आजीविका को बढ़ाने के लिए वृक्ष उत्पादन से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण एवं प्रसार कार्यकम कराए जाते हैं। मुख्य अतिथि डॉ. सत्य प्रकाश श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कार्यक्रम कि सराहना करते हुए वर्तमान समय में कृषिवानिकी को आजीविका बढ़ाने का प्रमुख साधन बताया। विशिष्ट अतिथि कर्नल सुशील गुहानी ने अपने उद्बोधन में बताया कि गंगा टास्क फ़ोर्स का मुख्य उद्देश्य गंगा में डालफिन को सुरक्षा प्रदान करना तथा परिस्थितकी चक्र को बनाए रखना है। कार्यक्रम सह समन्वयक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रथम तकनीकी सत्र में चन्दन आधारित खेती पर चर्चा करते हुए प्रगतिशील कृषक उत्कृष्ठ पाण्डेय ने उपयुक्त मिट्टी, उचित रख-रखाव, तथा आवश्यक तत्वों से अवगत कराया। इसी क्रम में आर. एन. राय, सेवानिवृत्त भारतीय वन सेवा द्वारा कृषिवानिकी के अनुभव एवं सुझाव प्रस्तुत किया गया। बाँदा कृषि विश्वविद्यालय के डॉ. योगेश ने किसानों के लिए वानिकी की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।जैविक खाद उदयमिता पर चर्चा करते हुए विनोवर शर्मा, पवनस जैविक उर्वरक उत्पादक, प्रयागराज ने जैविक खाद को कृषि और वानिकी दोनों के लिए महत्वपूर्ण बताया। बेगूसराय, बिहार के अमित कुमार सिंह ने फलदार वृक्षों की खेती की सम्भावनाओं पर विस्तृत चर्चा किया। वानिकी एवं पर्यावरण चेतना को बढ़ावा देने के लिए मनोरंजन कार्यक्रम के अंतर्गत वानिकी आधारित जादू का कौशल रवीन्द्र केसरवानी द्वारा तथा मुनीम चन्द्र 'मस्ताना' द्वारा लोकगीत- बिरहा का प्रदर्शन किया गया। द्वितीय तकनीकी सत्र में हर्बल गार्डन स्थापक, प्रयागराज के.

पी. पाण्डेय ने औषधीय पौधों की खेती पर चर्चा करते हुए इसकी आवश्यकता तथा महत्व पर प्रकाश डाला। उत्तर प्रदेश की कृषि वानिकी प्रजातियों यथा मीलिया डूबिया, अगर, महोगनी तथा पॉपलर पर चर्चा करते हुए क्रमशः डॉ. कुमुद दूबे, आलोक यादव, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव तथा डॉ. अनीता तोमर ने अपने-अपने विचार साझा किये। इसी क्रम में कृषकों के अनुभव पर अरविन्द सिंह द्वारा कुछ विचार साझा किए गए। कार्यक्रम के समापन सत्र में कृषक वानिकी संवाद का आयोजन किया गया, जिसमें प्रगतिशील एवं लघु किसानों द्वारा कृषि वानिकी सम्बंधित जानकारियां प्राप्त की गयी तथा केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा उनकी शंकाओं का निवारण किया गया। केन्द्र द्वारा आयोजित वृक्ष उत्पादक मेला के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न वानिकीविदों/उद्यमियों/सरकारी संस्थानों तथा गैर सरकारी संस्थानों द्वारा कुल 15 प्रदर्शन स्टाल लगाए गए।

फसलों के साथ वृक्षों की खेती से दोगुनी होगी आय

जागरण संवाददाता, प्रयागराज : पारंपरिक तरीके से की जा रही खेती से किसानों के आय में बढ़ोतरी नहीं हो रही है। आय बढ़ाने के लिए किसानों को फसलों के साथ वृक्षों की खेती करनी होगी। फसलों के साथ वह मीलिया डूबिया, आगर, महोगनी, यूकेलिप्टस, गम्हार, पापलर आदि वृक्षों की खेती कर अपनी आय बढ़ा सकते हैं। इससे पर्यावरण संरक्षण भी होगा। किसानों को जागरूक करने के लिए शुक्रवार को लाजपत राज मार्ग स्थित पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र में वृक्ष उत्पादक मेले का आयोजन किया गया। इस दौरान किसानों के लिए तैयार किए गए चार मोबाइल एप भी लांच किए गए।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए केंद्र प्रमुख डा.संजय सिंह ने बताया कि फसलों के साथ वृक्षों की खेती करके कई किसान अच्छी कमाई कर रहे हैं। उप कृषि निदेशक डा. सत्य प्रकाश श्रीवास्तव ने कहा कि कृषि वानिकी के जरिए किसानों की आय बढ़ेगी। गंगा टास्क फ़ोर्स के कर्नल सुशील गुहानी ने बताया कि हमारा प्रयास है कि गंगा में डाल्फिन को सुरक्षा प्रदान करना और परिस्थितकी चक्र को बनाए रखना है। प्रगतिशील किसान उत्कृष्ठ पांडेय ने चंदन की खेती करने के टिप्स और उसके फायदे बताए। सेवानिवृत्त भारतीय वन सेवा के अधिकारी आरएन राय ने कृषिवानिकी के अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम समन्वयक व वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव, सह समन्वयक डा. अनुभा श्रीवास्तव, डा. कुमुद दूबे, डा. अनीता तोमर, अंकुर श्रीवास्तव आदि थे।

वृक्ष उत्पादक मेला का आयोजन : वानिकी प्रसार सम्बन्धित मोबाइल एप्स का अनावरण

विद्रोही सामना संवाददाता

प्रयागराज। भा.वा.अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा 'वृक्ष आधारित आजीविका विकास' विषय पर एक दिवसीय 'वृक्ष उत्पादक मेला' का आयोजन किया गया।

प्रस्तावना सम्बोधन में कार्यक्रम समन्वयक आलोक यादव, वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा आयोजित मेला के मुख्य बिन्दुओं से अवगत कराया गया। मेले का शुभारम्भ गणमान्य अतिथियों, सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, उपकृषि निदेशक, प्रयागराज के साथ कर्नल सुशील गुहानी, गंगा टास्क फोर्स, प्रयागराज तथा केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। स्वागत भाषण में केन्द्र प्रमुख डॉ. सिंह ने बताया कि केन्द्र द्वारा किसानों की आजीविका को बढ़ाने के लिए वृक्ष उत्पादन से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण एवं प्रसार कार्यक्रम कराए जाते हैं। मुख्य अतिथि डॉ. सत्य प्रकाश श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कार्यक्रम कि सराहना करते हुए वर्तमान समय में कृषिवानिकी को आजीविका बढ़ाने का प्रमुख साधन बताया। विशिष्ट अतिथि कर्नल

सुशील गुहानी ने अपने उद्बोधन में बताया कि गंगा टास्क फोर्स का मुख्य उद्देश्य गंगा में डालफिन को सुरक्षा प्रदान करना तथा परिस्थितकी चक्र को बनाए रखना है। कार्यक्रम सह समन्वयक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रथम तकनीकी सत्र में चन्दन आधारित खेती पर चर्चा करते हुए प्रगतिशील कृषक उत्कृष्ठ पाण्डेय ने उपयुक्त मिट्टी, उचित रख-रखाव, तथा आवश्यक तत्वों से अवगत कराया। इसी क्रम में आर. एन. राय, सेवानिवृत्त भारतीय वन सेवा द्वारा कृषिवानिकी के अनुभव एवं सुझाव प्रस्तुत किया गया। बाँदा कृषि विश्वविद्यालय के डॉ. योगेश ने किसानों के लिए वानिकी की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। जैविक खाद आमिता पर चर्चा करते हुए विनोवर शर्मा, पवनस जैविक उर्वरक उत्पादक, प्रयागराज ने जैविक खाद को कृषि और वानिकी दोनों के लिए महत्वपूर्ण बताया। बेगूसराय, बिहार के अमित कुमार सिंह ने फलदार वृक्षों की खेती की सम्भावनाओं पर विस्तृत चर्चा किया। वानिकी एवं पर्यावरण चेतना को बढ़ावा देने के लिए मनोरंजन कार्यक्रम के अंतर्गत वानिकी आधारित जादू का कौशल रवीन्द्र केसरवानी द्वारा तथा मुनीम चन्द्र 'मस्ताना' द्वारा लोकगीत- बिरहा का प्रदर्शन किया गया। द्वितीय तकनीकी सत्र में हर्बल गार्डन स्थापक, प्रयागराज के. पी. पाण्डेय ने औषधीय पौधों की खेती पर चर्चा करते हुए इसकी आवश्यकता तथा महत्व पर प्रकाश डाला। उत्तर प्रदेश की कृषि वानिकी प्रजातियों यथा मीलिया डूबिया, अगर, महोगनी तथा पॉपलर पर चर्चा करते हुए क्रमशः डॉ. कुमुद दूबे, आलोक यादव, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव तथा डॉ. अनीता तोमर ने अपने-अपने विचार साझा किये। इसी क्रम में कृषकों के अनुभव पर अरविन्द सिंह द्वारा कुछ विचार साझा किए गए। कार्यक्रम के समापन सत्र में कृषक वानिकी संवाद का आयोजन किया गया, जिसमें प्रगतिशील एवं लघु किसानों द्वारा कृषि वानिकी सम्बन्धित जानकारियां प्राप्त की गयी तथा केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा उनकी शंकाओं का निवारण किया गया। केन्द्र द्वारा आयोजित वृक्ष उत्पादक मेला के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न वानिकीविदों/उद्यमियों/सरकारी

संस्थानों तथा गैर सरकारी संस्थानों द्वारा कुल 15 प्रदर्शन स्टाल सीमैप, लखनऊ, कृषि विज्ञान केन्द्र, छाता, प्रयागराज, मार्शलोना फार्म, प्रतापगढ़, पवनस जैविक उर्वरक एवं खाद यूनिट, प्रयागराज, कृषि निदेशालय, प्रयागराज, शुआट्स, नैनी, प्रयागराज, बाँदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बाँदा, प्रो. राजेन्द्र सिंह रज्जू भईया विश्वविद्यालय, प्रयागराज, अन्नपूर्णा एग्रोटेक, बेगूसराय, बिहार, भा.वा.अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज, एमएसएमई, भारत सरकार, नारायण हनी, प्रयागराज, न्यूट्रीसिटिकल रिच ऑर्गेनिक इण्डिया प्रा.लि., हाईटेक नर्सरी, सहसों, प्रयागराज, 137एफ़ई-(डी) आदि के द्वारा लगाए गए। प्रदर्शन स्टाल्स वानिकी सम्बन्धित विभिन्न आयाम, वृक्षारोपण, पौधशाला तथा उत्पाद विपणन विधाओं का प्रतिनिधित्व करते हुए आजीविका विकास हेतु महत्वपूर्ण थे। उत्तर प्रदेश में वृक्ष एवं पौध उत्पादन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु केन्द्र द्वारा चयनित पाँच कृषकों को 'तरुमित्र पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। सम्मानित किए गए किसानों में प्रयागराज से क्रमशः धनंजय सिंह-पॉपलर तथा यूकेलिप्टस पर आठ वर्षों का, के. पी. मिश्रा-वानिकी के क्षेत्र में सात वर्षों का, अरविन्द सिंह, के. पी. पाण्डेय-औषधीय पौधों पर छः वर्षों का तथा प्रतापगढ़ से उत्कृष्ठ पाण्डेय-चन्दन के वृक्षों पर आठ वर्षों का अनुभव को क्रमशः चन्दन, मीलिया, यूकेलिप्टस, गम्हार तथा पॉपलर आदि वृक्षों के रोपण हेतु सम्मानित किया जाएगा।

पर्यावरण पुनरुद्धार के साथ प्रदेश के किसानों की आजीविका विकास हेतु भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा चार मोबाइल एप्स ईको रिहैबिलिटेशन, बैम्बू प्रो, टेक्सर नोन प्लान्ट्स तथा एग्रोफारेस्ट का अनावरण किया जाएगा।

ईको रिहैबिलिटेशन-इ भूमि सुधार हेतु क्षेत्र विशेष में उपयुक्त प्रजातियों के चयन, रोपण तथा रख-रखाव सम्बन्धित जानकारी संकलित की गयी है। बैम्बू प्रो-इ उत्तर प्रदेश तथा भारत में पायी जाने वाली महत्वपूर्ण बाँस प्रजातियों के विषय में नर्सरी प्रवर्धन एवं प्रबंधन सम्बन्धित सम्पूर्ण जानकारियों का संकलन।

टेक्सर नोन प्लान्टस-इ उत्तर प्रदेश की विलुप्त होती प्रजातियों के रोपण एवं प्रसार सम्बन्धी जानकारियों का संकलन। एग्रोफारेस्ट-इ उत्तर प्रदेश की विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रों में उपयुक्त कृषिवानिकी प्रजातियां यथा सागौन, बाँस, शीशम, महोगनी, गम्हार, पॉपलर, यूकेलिप्टस, सहजन, आम, मीलिया-डूबिया (बकैन), महुआ तथा आँवला आदि के रोपण, प्रबंधन, आर्थिकी एवं विक्रय सम्बन्धी जानकारियों का संकलन।